Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 04-12-2006

Participants : Kumar Shri Shailendra

an>

Title: Observance of World Disabled Day.

श्री शैलेन्द्र कुमार : प्रति वर्ा की भांति हमेशा यह कहा जाता है कि विकलांगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। 2001 की जनगणनाके अनुसार देश में लगभग सवा दो करोड़ विकलांग हैं जो दृटि- विहीन और वाणीबाधित सहित विकलांग हैं। ऐसे 75 परसेंट लोग गांवों में रहते हैं। उनको ऊपर उठाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता देने की घोाणा की जाती है। आज उनकी पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता है। ...(व्यवधान) सरकार उनकी सहायता करने की हमेशा घोाणा करती है लेकिन आज भी उनका शोाण हो रहा है। बिना विकलांग सर्टिफिकेट के उनको कोई मदद नहीं मिलती है। ...(व्यवधान) केन्द्र सरकार इस पर अमल करने का निर्देश देती है लेकिन बिना पैसे के उनका विकलांग सर्टिफकेट नहीं बनता है। केन्द्र सरकार हमेशा कहती है कि राज्य सरकारें बेहतर कदम उठाए और इसके बारे में अपील भी करती है लेकिन उनकी कोई मदद नहीं होती है। ...(व्यवधान) सरकार यह भी कहती है कि समाज अपनी जिम्मेदारी पूरी करे और उनकी सहायता के लिए आगे आए। 1982 में संयुक्त राट्र महासभा में एक प्रस्ताव पारित हुआ था। ...(व्यवधान) जिस में कहा गया कि उनके पुनर्वास के लिए कार्यक्रम सुनिश्चित किए जाएं। इसी कारण प्रति वर्ा 3 दिसम्बर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। ...(व्यवधान) आज भी इस पर

- Not recorded
- अमल नहीं हुआ है। उनके लिए समय-समय पर राट्रीय शिक्षा नीति 1986, नेशनल ट्रस्ट एक्ट 1995, कार्य योजना 1992, भारतीय पुनर्वास परिाद अधिनियम 1992, निशक्त जन अधिनियम 1995, राट्रीय विकलांग नीति 2005 बनीं लेकिन इनका ठीक से अमल नहीं हुआ। ...(व्यवधान) मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि पूरे देश में विकलांगों के लिए रोजगारपरक शिक्षा की व्यवस्था हो, उनको पुनर्वास योजना का लाभ मिले और आरक्षण सुनिश्चित करके नौकरी दी जाए। ...(व्यवधान) जो भी लाभकारी योजनाएं हैं, उनके माध्यम से उन्हें सही तरीके से मदद मिले। इसके साथ-साथ एएमए द्वारा समय-समय पर परीक्षण होना चाहिए ताकि उनकी मदद हो सके।

MR. SPEAKER: Prof. Mahadeorao Shiwankar -- not present.

Shri B. Mahtab.

... (*Interruptions*)